याकूब क पत्र

1 याकूब क जउन परमेस्सर अउर पर्भू ईसू मसीह क दास
अहइ, संतन क बारह कुलन क नमस्कार पहुँचइ जइन
समूचे संसार मँ फइला भवा अहइँ।

बिसवास अउर विवेक

2मोर भाइयो तथा बहिनियो, जब कबहुँ तू तरह तरह क
परीच्छा मँ पड़ा तउ एका बड़ा आनन्द क बात समझा।
3काहेकि तू इ जानत अहा कि तोहार बिसवास जब परीच्छा
मँ सफल होत ह तउ ओसे धीरजपूर्ण सहन सक्ती पैदा होत
ह। 4अउर उ धीरजपूर्ण सहन सक्ती एक अइसेन पूर्णता क
जनम देत ह जेहसे तू अइसेन सिद्ध अउर पूर्ण बन सकत ह
जेहमाँ कउनउ कबहुँ नाहीं रहि जात। 5तउन अगर तोहमाँ
कछू विवेक क कमी अहइ तउ ओका परमेस्सर स मांग
सकत ह। उ सबहिं क उदारता क साथे देत ह। उ सबहिं
क उदार होइ क देइ मँ खुस होत ह।
6बस बिसवास क साथे माँगा जाइ। तनिकउ भी संदेह न
होइ चाही काहेकि जेका संदेह होत ह, उ सागर क ओह
लहर क समान बा जउन हवा स उठत ह अउर थरथरात
ह। 7-8अइसेन मनई क इ नाहीं सोचइ चाही कि ओका पर्भू
स कछू भी मिल पाई। अइसेन मनई क मन तउ दुविधा स
ग्रस्त बा। उ अपने सभन करमन मँ अस्थिर रहत ह।

सच्चा धन

9साधारण परिस्थितियन वाला भाइयन क गरब करइ
चाही कि परमेस्सर तउ ओका आतिमा क धन दिहे अहइ।
10अउर धनी भाइ क गरब करइ चाही कि परमेस्सर ओका
आत्मिक गरीबी देखाए अहइ। काहेकि ओका त घास
खिलइवाला फूल क नाई झर जाइ क बा। 11सूरज
कड़कड़ात धूप लइके उगत ह अउर पउधा क झुराइ डावत
ह। ओनकर फूल पत्तियन झर जात हीं अउर सुन्दरता समाप्त
होइ जात ह। इही तरह धनी मनई धन बरे योजना बनाने मँ
ही समाप्त होइ जात ह।

परमेस्सर परीच्छा नाहीं लेत

12उ मनई धन्य अहइ जउन परीचछ मँ अटल रहत ह
काहेकि परिच्छा मँ खरा उतरइ क बाद उ जीवन क ओह
बिजय मुकुट क धारण करी जेका परमेस्सर अपने पिरेम
करइवालन क देइ क बचन दिहे अहइ। 13परीच्छा क घड़ी
मँ कीहीउ क इ नाहीं कहइ चाही, "परमेस्सर मोर परीच्छा
लेत अहइ," काहेकि खराब बातन स परमेस्सर क कउनउ
लेब-देब नाहीं होत। उ कउनो क परीच्छा नाहीं लेत। 14हर
कउनो आपन ही खराब इच्छन स भ्रम मँ फंसिके परीच्छा
मँ पड़त ह। 15फिन जब उ इच्छा गर्भवती होत ह तउ पाप
पूरा बढ़ जात ह अउर उ मउत क जनम देत ह।
16तऊन मोर पिआर भाइयो तथा बहिनियो, धोखा न खा।
17हर एक उत्तिम दान अउर परिपूर्ण उपहार उप्पर स मिलत
ह। अउर उ सबइ ओह परमपिता क जरिये जे सरगीय
प्रकास (सूरज चाँद अउर तारन) क जनम दिहे अहइ, नीचे
लइ आवत ह। उ जउन सभन प्रकासन का पिता अहइ। जो
न कभउ बदलत ह अउर न छाया स प्रभावित होत ह।
18परमेस्सर अपने इच्छा स सत्य क बचन दुआरा हमे जनम
दिहेस जेहसे हम ओकरे द्वारा रचे गएन प्रानियन मँ सबसे
महत्वपूर्ण सिद्ध होइ सकी।

सुनब अउर ओह पर चलब

19मोर पिआरे भाइयो तथा बाहिनियो, खियाल रखा, हर
कीहीउ क पत्परता क साथे सुनइ चाही, बोलइ मँ जल्दी न
करा, अउर जल्दी सा किरोध न करा कर। 20काहेकि मनई
जब किरोध करत ह तब उ परमेस्सर क द्वारा बनाए भए
रस्ता का पालन नाहीं कइ पावत। 21सब घिनौना आचरण
अउर चारहुँ ओर फइलत दुस्टताई स दूर रहा। अउर नरमी
क साथे तोहरे हिरदइ मँ रोपा भवा परमेस्सर क बचन क
पालन करा जउन तोहार आतिमन क उद्धार देवाइ सकत
ह। 22परमेस्सर क उपदेस पे चलइ वाला बना, न कि केवल
ओका सुनइवाला। अगर तू केवल ओका सुनबइ भर रहत
ह तउ अपने आप क छलत अहा। 23काहेकि अगर केउँ
परमेस्सर क उपदेस क सुनत तउ बाटइ मुला ओह प चलत
नाहीं, तउ उ ओह मनई क समान बाटइ जउन अपने
भौतिक मुँहे क दरपन मँ देखतेइ भर बाटइ। 24उ खुद क
अच्छी तरह देखतइ बा, पर जब उहाँ स चला जात ह तउ
तुरन्त भूल जात ह कि उ कइसेन देखॉत रहा। 25किन्तु जो
परमेस्सर क उहइ सम्पूर्ण व्यवस्था क नजदीक स देखत ह,
जेससे स्वतन्त्रता प्राप्त होत ह, अउर उही प आचरण भी
करत ह अउर सुनिके ओहका भूले बिना आपन आचरण मँ
उतार लेत ह, उही अपने करमन क बरे धन्य होइ।

आराधना क सच्चा रस्ता

26अगर केऊ सोचत ह कि उ भक्त अहइ अउर अपने
जीभ प कसिके लगाम नाहीं लगावत त उ धोखा मँ बा।
ओकर भक्ति बेकार बा। 27परमेस्सर क सामने सच्चे अउर
सुद्ध आराधना ऊहई अहइ: जेहमाँ अनाथ अउर विधवन क
ओनके दुख दर्द मँ सुधि लीन्हि जाइ अउर खुद क कउनउ
सांसारीक कलंक न लागइ दीन्ह जाइ।

सबसे पिरेम करा

2 मोर पिआर भाइयो तथा बहिनियो, काहेकि महिमावान
पर्भू ईसू मसीह मँ तोहार बिसवास बा, उ लोगन क
प्रति पच्छपातपूर्ण न होइ। 2कल्पना करा तोहरे सभा मँ
कउनउ मनई सोना क अगूँठी अउर भव्य कपड़ा धारण
कइके आवत ह। अउर तबहिं मइला कुचइला कपड़ा पहिरे
एक गरीब मनई आवत ह। 3अउर तू जे भव्य कपड़ा धारण
किहे अहइ, ओका बिसेस महत्व देत भए कहत अहा, "इहाँ
एह उत्तिम आसन प बइठा," जब कि ओह गरीब मनई स
कहत अहा, "उहाँ खड़ा रहा" या "मोरे गोड़न क लगे
बइठि जा।"

4अइसेन करत भए तू लोगन क बीच भेद भाऊ नाहीं
किहा अउर खराब बिचारन क साथे निआवकर्ता नाहीं बनि
गया?

5मोर पिआरे भाइयो तथा बहिनियो, सुना, का परमेस्सर त
संसार क आँखिन मँ ओन्हन गरीबन क बिसवास मँ धनी
अउर ओह राज्य क उत्तराधिकारी क रूपे मँ नाहीं चुनेस?
जेकर उ, जउन ओका पिरेम करत हीं, देइ क बचन दिहे
अहइ। 6परन्तु तू तउ ओह गरीब मनई का अपमान किहा
ह। का इ धनिक मनइयन उहइ नाहीं हयेन, जउन तोह प
नियत्रण करत हीं अउर तोह सबन क कचरहिउ मँ घसीट
लइ जात हीं? 7का इ उहई नाहीं हयेन, जउन मसीह क
ओह अच्छे नाउँ क निन्दा करत हीं, जउन तोहे सबन क
दीन्ह गवा बा?

8अगर तू पवित्तर सास्तरन मँ मिलइवाली एह अच्छी
व्यवस्था क सहीयउ मँ पालन करत अहा, "अपने पड़ोसी स
भी वइसेन ही पिरेम करअ, जइसे तू अपने आप स करत
अहा।"* तउ तू अच्छा ही करत अहा। 9परन्तु अगर तू
पच्छपात देखॉवत अहा तउ तू पाप करत अहा। फिन तोहका
व्यवस्था क तोड़इवाला ठहरावा जाई। 10काहेकि कउनउ
अगर पूरी व्यवस्था क पालन करत ह अउर एक बात मँ
चूकि जात ह तउ उ समूची व्यवस्था क उल्लंघन क दोसी
होइ जात ह। 11काहेकि जे इ कहे रहा, "व्यभिचार न
करा।"* उहइ तउ इहउ कहे रहा, "हतिया न करा।"*
तउन अगर तू व्यभिचार नाहीं करत्या परन्तु हतिया करत
अहा तउ तू व्यवस्था क तोड़इवाला अहा। 12तू उही लोगन
क समान बोला अउर ओनही क जइसेन आचरण करा
जेकर ओह व्यवस्था क अनुसार निआव होइ जात बा, जेसे
छुटकारा मिलत ह।

13जउन दयालुता नाहीं देखउतेन ओकरे बरे परमेस्सर क
निआव बिना द्या के ही होइ। किन्तु दया निआव प बिजइ
पावत ह।

बिसवास अउर सत् करम

14मोर भाइयो तथा बहिनियो, अगर केउ मनई कहत ह
कि उ बिसवासी बा त मुला कछू करम नाहीं करत तउ
अइसेन स का लाभ जब तलक कि ओकरे करम बिसवास
क अनुकूल न होइ? अइसेन बिसवास स का ओकर उद्धार
कइ सकत ह? 15अगर ईसू मँ लिप्त भाई अउ बहिन क
पास कपड़न न होइ, अउर ओनके लगे खाइ तक क कछू
भी न होइ, अउर तोहमाँ सही केउ ओनसे कहइ "सान्ति स
जियाअ, परमेस्सर तोहार कल्लियान करइ अपने क गरमावा
अउर अच्छे तरह भोजन करा।" अउर तू ओनके सरीरीक
जरूरतन क चीजन ओन्हे न द्या तउ फिन एकर का मूल्य
बा? 17इहइ बात बिसवास क समबन्ध मँ कहि जाउ सकत
ह। अउर अगर बिसवास क साथे करम नाहीं बा तउ उ
अपने आप मँ बिना प्राण क बाटइ।

18परन्तु केउ कहि सकत ह, "तोहरे लगे बिसवास बा,
जबकि मोरे लगे करम बा अब तू बिना करमन क आपन
बिसवास देखावा अउर मइँ तोहे आपन बिसवास अपने
करमन क द्वारा देखाउब।" 19का तू बिसवास करत अहा
कि परमेस्सर केवल एक बा? अद्भुत! दुस्ट आतिमा इ
बिसवास करत ह कि परमेस्सर बा अउर उ काँपत रहत ह।

20अरे मूरख! का तोहे प्रमाण चाही कि करम रहित
बिसवास बेकार बा? 21का हमार पिता इब्राहीम अपने करमन
क आधार प ही ओह समइ परमेस्सर धर्मी नाहीं ठहरावा
गवा रहा जब उ अपने बेटवा इसहाक क वेदी प अर्पित
कइ दिहे रहा? 22तू देखा कि ओकर इ बिसवास ओकरे
करमन क साथे ही सक्रिय होत रहा। अउर ओकर करमन
स ही ओकर बिसवास परिपूर्ण कीन्ह गवा रहा। 23एह तरह
पवित्तर सास्तर क इ कहा पूरा भवा रहा, "इब्राहीम तउ
परमेस्सर प बिसवास किहेस अउर बिसवासे क अधार पे ही
उ परमेस्सर का धर्मी ठहरा।"* अउर इही स ही उ
"परमेस्सर क दोस्त"* कहा गवा। 24तू देखा कि केवल
बिसवासी स नाहीं, बल्कि अपने करमन स ही मनई
परमेस्सर का धर्मी ठहरत ह।

25इही तरह राहाब बैस्या भी बीका, जब उ परमेस्सर क
दूतन क अपने घरे मँ स्वागत किहेस अउर फिन ओन्हे दुसरे
रस्ता स कहूँ भेज दिहेस तउ ओह समइ का अपने करमन
स परमेस्सर क धर्मी नाहीं ठहराई गइ।

26एह तरह जइसेन बिना आतिमा क सरीर भरा हुआ बा,
वइसेनइ करम बिना बिसवास का निर्जीव बा।

बानी क संयम

3 मोर भाइयो तथा बहिनियो, तोहमाँ स बहुतन क
सिच्छक बनइ क इच्छा न करइ चाही। तू जनतइ अहा
कि हम सिच्छकन क अउर जियादा कड़ाइ क साथे निआव
कीन्ह जाई। 2काहेकि मइँ सब कइयउ बातन मँ चूक जाइत
ह। सभन स बहुत स भूल होतइ रहत हीं। अगर केउ
बोलइ मँ कउनउ चूक न करइ तउ उ एक सिद्ध मनई
अहइ तउ फिन अउर उ पूरी देह प नियन्त्रण कइ सकत
ह? 3हम घोड़न क मुँह मँ एह बरे लगाम लगावत अही कि

"अपने … अहा" लैव्य. 19:18

"व्यभिचार न करा।" निर्ग. 20:14; व्यवस्था 5:18

"हतिया न करा।" निर्ग. 20:13; व्यवस्था 5:17

"इब्राहीम … ठहरा" उत्पत्ति 15:6

"परमेस्सर क दोस्त" 2इति. 20:7; यसा: 41:8

उ हमरे बस मँ रहइ। अउर एह तरह ओनके पूरे सरीर क
हम बस मँ कई सकित ह। 4अउर जल-यानन क बारे मँ
भी इ बात सत्य अहइ। देखा, चाहे उ जहानन केतनउ बड़ा
होत हीं अउर सक्तिसाली हवा क द्वारा चलावा जात हीं,
परन्तु एक छोटी स पतवार स ओनका नाविक ओन्हे जहाँ
कहूँ लइ जाइ चाहत ह। ओह प काबू पाइ क ओन्हे लइ
जात ह। 5इही तरह जीभ, जउन सरीर क एक्क छोटी स
अंग अहइ, तबहुँ बड़ी बड़ी बात कहि डावइ क डींग मारत
रहत ह।

अब तनिक सोचा एक जरा स लपट पूरा जंगल क
जराइ सकत ह। 6हाँ, जीभ: एक एक आग क साथ अहइ।
इ बुराइ क एक पूरा संसार अहइ। इ जीभ हमरे सरीर क
अंग मँ एक अइसेन अंग अहइ, जउन पूरा सरीर क
नियन्त्रण मँ रखीके भ्रस्ट कइ डावइत ह अउर हमार पूरा
जीवन चक्र मँ ही आग लगाइ देत ह। इ जीभ नरक क
आग स धधकत रहत ह। 7देखा, हर तरह क हिंसक पसु,
पंछी, रेंगइवाला जीव जंतु अउर मछरी प्राणी मनई द्वारा
बस मँ कीन्ह जाइ सकत ह अउर कीन्ह भी गवा अहइँ।
8परन्तु जीभ क केउ भी मनई बस मँ नाहीं कइ सकत। इ
घातक बिस स भरा एक अइसेन बुराइ अहइ जउन कभउँ
चैन स नाहीं रहत। 9हम इही जीभ स अपने पर्भू अउर
परमेस्सर क स्तुति करत अही अउर इही जीभ स लोगन क
जउन परमेस्सर क समानता मँ पैदा कीन्ह गवा अहइँ,
मनइयन क कोसत अही। 10एक्कइ मुँहे स स्तुति अउर
अभिसाप दुन्नऊ निकरत हीं! मोर भाइयो तथा बहिनियो,
अइसेन तउ न होइ चाही। 11सोतन क एक्कइ मुहाने स भला
का मीठ अउर खारा दुन्नऊ तरह क जल निकर सकत ह।
12मोर भाइयो तथा बहिनियो, का अंजीर क पेड़े पे जइतून
क लता प कभउँ अंजीर लगत ह? निस्चय ही नाहीं। अउर
न तउ खारा स्रोत स कभउँ मीठ जल निकर पावत ह।

सच्चा विवेक

13भला तोहमाँ, गियानी अउर समझदार कउन हयेन?
जउन हयेन, ओका अपने करमन अपने अच्छे चाल चलन
स उ नम्रता स प्रकट करम जउ गियान स उत्पन्न होत ह।
14परन्तु अगर तू जउने लोगन क हिरदइ कड़वाहट, ईर्सा
अउर सुवारथ भरा हुआ बा, तउन ओनके सामने अपने
गियान क ढोल न पीटा। अइसेन कइके त तू सत्य प परदा
डावत भए असत्य बोलत अहा। 15अइसेन "गियान" तउ
परमेस्सर स नाहीं, बल्कि उ त सांसारिक अहइ। आत्मिक
नाहीं अहइ। अउर सइतान क अहइ। 16काहेकि जहाँ ईर्सा
अउर सुवारथ पूर्ण महत्वपूर्ण इच्छा रहत ह, उहाँ अव्यवस्था
अउर भरम अउर हर तरह क खराब बात रहत हीं। 17परन्तु
परमेस्सर आवइवाला गियान सबसे पहिले तउ पवित्तर होत
ह, फिन सान्तिपूर्ण, सहज-खुस करुना स भरा होत ह।
अउर ओसे अच्छा करमन क फसल उपजत ह। उ
पच्छपात रहित अउर सच्चा भी होत ह। 18सान्ति क बरे
काम करइवाले लोगन क भी धरमपूर्ण जीवन क फल
मिली अगर ओका सान्तिपूर्ण तरीके मँ कीन्ह गवा अहइ।

परमेस्सर क अर्पित होइ जा

4 तोहरे बीच लड़ाइ-झगड़ा क का कारन बाटेन? का
ओनकर कारण तोहरे अपने ही भित्तर का वासना नाहीं
बाटइ? तोहार उ भोग बिलासपूर्ण इच्छा भी जउन तोहरे
भित्तर हमेसा द्वन्द्व करत रहत हीं? 2तू लोग चाहत अहा
परन्तु तोहे मिल नाहीं पावत। तोहमाँ ईर्सा बा अउर तू दुसरे
क हतिया करत हया फिन जउन चाहत अहा, पाइ नाहीं
सकत्या। अउर इही बरे तू लड़त-झगड़त रहत अहा अउर
युद्ध करत अहा। आपन इच्छित चीजन क तू पाइ नाहीं
सकत्या काहेकि तू ओन्हे परमेस्सर स नाहीं मँगत्या। 3अउर
जब मांगत भी अहा लेकिन पउत्या नाहीं काहेकि तोहार
उद्देस्स पवित्तर नाहीं होत। काहेकि तू ओन्हे अपने भोग-बिलास
मँ ही नस्ट करइ क बरे माँगत अहा। 4अरे, बिसवास
बिहीन लोगो! का तू नाहीं जानत अहा कि संसार स पिरेम
करइ का मतलब होत ह परमेस्सर स घिना करब जइसेन ही
बाटइ? जउन कउनउ एह दुनिया स दोस्ती रखइ चाहत ह, उ
अपने आपके परमेस्सर क सत्रु बनावत ह। 5का तू अइसेन
सोचत ह कि पवित्तर सास्तर अइसेन बेकारइ मँ कहत ह,
"परमेस्सर तउ हमरे भित्तर जउन आतिमा दिहे अहइ, उ
आतिमा केवल अपने बरे ही सोचत ह।"* 6परन्तु परमेस्सर
तउ हम पे बहुत जियादा अनुग्रह दरसाए अहइ, इही बरे
पवित्तर सास्तर मँ कहा गवा बा, "परमेस्सर घमंडियन क
विरोधी अहइ जबकि विनम्र जनन पे आपन अनुग्रह दरसावत
ह।" 7इही बरे अपने आपके परमेस्सर क अधीन कइ द्या।
सइतान क विरोध करा। उ तोहरे सामने स भागि खड़ा होइ।
8परमेस्सर क लगे आवा, उहउ तोहरे लगे आवइ। अरे
पापियन, आपन हाथ सुद्ध करा अउर अरे संदेह करइवालन,
अपने हिरदइ क पवित्तर करा। 9सोक करा, बिलाप करा
अउर रोवा। होइ सकत ह तोहरे इ हँसी सोक मँ बदलि जाइ
अउर तोहरे इ खुसी बिसाद मँ बदलि जाइ। 10पर्भू क
सामने खुद क नवावा। उ तोहे ऊँचा उठाई।

निआवकर्ता तू नाहीं अहा

11भाइयो तथा बहिनियो, एक दुसरे क विरोध मँ बुरा
बोलब बन्द करा। जउन अपने ही भाई क विरोध मँ बुरा
बोलत हीं, अउर ओका दोसी ठहरावत हीं, उ व्यवस्था क
दोसी ठहरत ह। अउर उ व्यवस्था प दोस लगावत अहा
अउर यदि तू व्यवस्था प दोस लगावत अहा तउ व्यवस्था
क पालन करइवाला नाहीं रहत्या बरन स्वयं ओकरे निआवकर्ता
बन जात अहा। 12लेकिन व्यवस्था क देइवाला अउर ओकर
निआव करइवाला तउ बस एक्कइ बा। अउर उहइ रच्छा कइ
सकत ह अउर उहइ खतम करत अहइ। तू फिन अपने
साथी क निआव करइवाला तू कउन होत ह्या?

आपन जीवन परमेस्सर क चलावइ द्या

13अइसेन कहइवाले सुना, "आजु या काल्हि हम एह या
ओह नगर मँ जाइके एक साल भर उहाँ व्यपार मँ धन
लगाइके बहुत स पइसा बनाइ लेबइ।" 14परन्तु तू त एतनउ

"परमेस्सर ... सोचत ह" निर्ग. 20:5

नाहीं जनत्या कि काल्हि तोहरे जीवन मँ का होइ! देखा! तू
त ओह धुंध क समान अहा जउन रचिके देर बरे देखॉत ह
अउर फिन खोइ जात ह। 15तउन एकरे स्थान प तोहका तउ
हमेसा इहइ कहइ चाही, “यदि पर्भू की इच्छा होइ तउ हम
जीवित रहबइ अउर इ या उ काम भी करबइ।”
16परन्तु स्थिति तउ इ बा कि तू तउ अपने आडम्बर पइ
खुदइ गरब करत ह्या। अइसेन सब गरब बुरा बाटइ। 17तउ
फिन इ जानत भए इ उचित बा, ओका न करब
पाप बा।

सुवार्थी धनी दण्ड क भागी होइहीं

5 धनवान लोगो सुना! जउन विपत्तियन तोह प आवइवाली
बाटिन, ओकरे बरे रोवा अउर ऊँचा स्वरे मँ बिलाप
करा। 2तोहर धन सड़ा चुका बा। तोहार पोसाकन कीड़न
द्वारा खाइ लीन्ह गइ बा। 3तोहार सोना, चाँदी जंग लग
जाइसे रंग बिगड़ गवा बा। ओह पे लगी जंग तोहरे विरोध
मँ साच्छी देई अउर तोहरे सरीर को आगी की तरह चाट
जाई। तू अन्तिम दिनन ब्बरे आपन खजाना बचाइके रक्खो
अहा। 4सोचा, तोहरे खेतन मँ जउन मजूदरन काम किहेन, तू
ओनकर मेहनताना नाहीं दिए अहा ओका रोकि रखे अहा।
उहई मेहनताना चीख पुकार करत बाटइ। अउर खेतन मँ
काम करइवालन क उ चीख पुकारइ सर्वसक्तिमान पर्भू क
कानन तलक जाइ पहुँची बा। 5धरती पे तू बिलासपूर्ण व्यर्थ
जीवन जिए अहा अउर अपने आपके भोग बिलासन मँ
डुबोए रखे अहा। एह तरह तू अपने आपके बध कीन्ह
जाइके दिनके बरे पाल पोसी क हिस्ट-पुस्ट कइ लिहे अहा।
6तू भोले लोगन क दोसी ठहराइके ओनके कीहीउ प्रतिरोध
क अभाव मँ ही ओनकर हतिया कइ डाया ह।

धीरज रखा

7तउन भाइयो तथा बहिनियो, पर्भू क फिन स आवइ
तलक धीरज धरा। उ किसान क धियान धरा जउन आपन
धरती क मूल्यवान उपज क बरे बाट जोहत रहत ह। एकरे
बरे उ सुरु क बरखा स लइके बाद क बरखा तलक
हमेसा। धीरज क साथे बाट जोहत रहत ह। 8तोहे भी धीरज
क साथे बाट जोहइ चाही। अपने हिरदइ क मजबूत बनाए
रखा काहेकि पर्भू क द्वारा आउब लगे ही बा। 9भाइयो
तथा बहिनियो, आपस मँ एक दुसरे क सिकाइत न करा
ताकि तोहे अपराधी न ठहरावा जाइ। देखा, निआवकर्ता
दरवाजे क ड्योढ़ी प खड़ा बा। 10भाइयो तथा बहिनियो,
ओन नबियन क याद रखा जे पर्भू क बरे बोलेन ह। उ हमरे
बरे जातना झेलइ अउर धीरज स भरी सहनसीलता क
उदाहरण हयेन। 11धियान रखा, हम ओनकर सहनसीलता क
कारण ओनका धन्य मानित अही। तू अय्यूब क धीरज क
बारे मँ सुने ही अहा। अउर पर्भू तउ ओका ओकर आखिर
मँ कउन परिणाम प्रदान किहेस, काहेकि तू भी जनतइ अहा
कि पर्भू केतॅना दयालु अउर करुनापूर्ण अहइ।

सोची बिचारिके बोला

12मोर भाइयो तथा बहिनियो, सबसे बड़ी बात इ बा कि
सरग क अउर धरती क या कीहीउ तरह क कसम खाइ
छोड़ि द्या। तोहार “हाँ, हाँ होइ चाही, अउर “ना”, ना होइ
चाही। ताकि तोहका दोसी न ठहरावा जाइ सकइ।

पराथना क सक्ती

13अगर तोहमाँ स कउनो विपत्ति मँ पड़ा बा तउ ओका
पराथना करइ चाही अउर अगर केउ खुस बा तउ ओका
स्तुति-गीत गावइ चाही।
14अगर तोहरे बीच कउनो रोगी बा तउ ओका कलीसिया
क निरीच्छकन क बोलावइ चाही कि उ ओकरे बरे पराथना
करइ अउर ओह प पर्भू क नाउँ मँ तेल मलइ। 15बिसवास
क साथे कीन्ह गइ पराथना स रोगी निरोगी होत ह। अउर
पर्भू ओका उठाइके खड़ा कइ देत ह। अगर उ पाप किहे
अहइ त पर्भू ओका छमा कइ देइ।
16इही बरे अपने पापन क परस्पर स्वीकार अउर एक
दुसरे क बरे पराथना करा ताकि तू भला चंगा होइ जा।
अच्छा मनई क पराथना सक्तिसाली अउर प्रभावपूर्ण होत
ह। 17एलिय्याह एक मनई ही रहा ठीक हमरे जइसा। उ
तेजी क साथे पराथना किहेस कि बरखा न होइ अउर साढ़े
तीन साल छह महीना तलक धरती प बरखा नाहीं भइ। 18उ
फिन पराथना किहेस अउर अकास मँ बरखा उमड़ि पड़ी
अउर धरती आपन फसल उपजाएस।

एक आतिमा क रच्छा

19मोर भाइयो तथा बहिनियो, तोहमाँ स कउनो अगर
सत्य स भटकि जाइ अउर ओका कउनउ फिन लउटाइ लइ
आवइ तउ ओका इ पता होइ चाही कि 20जउन कीहीउ
पापी क पाप क रस्ता स लउटाइ लियावत ह उ ओह पापी
क आतिमा क अनन्त मउत स बचावत ह अउर ओकरे
कइयउ पापन क छमा कीन्ह जाइ क कारण बनत ह।